आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 09 लखनऊ, सोमवार 07 जून से 13 जून, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

यूपी में ११६५ नए पॉजिटिव मिले तो २४४६ संक्रमित हुए स्वस्थ, १०१ मौतें भी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण पर काबू पाने में काफी हद तक सफलता मिली है। बीते २४ घंटे के दौरान प्रदेश के ३६ जिलों में कोविड के १० से भी कम नए केस सामने आए। कानपुर नगर को छोड़ सभी जिलों में नए केस दहाई या इकाई अंक में हैं। जालौन और कौशांबी में कोई नया केस नहीं मिला। २४ घंटों के दौरान संक्रमण के ११६५ नए मामले मिले तो २४४६ मरीज स्वस्थ हुए हैं। इस दौरान १०१ लोगों की संक्रमण की वजह से मौत हो गई है।उत्तर प्रदेश कोरोना संक्रमण के नए मामलों में कमी आने और रिकवरी रेट लगातार बेहतर होने से जिलों में सक्रिय केस की संख्या भी घटती जा रही है। प्रदेश के १६ जिले ऐसे हैं, जहां १०० से भी कम सक्रिय केस रह गए हैं। बीते २४ घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण की जांच के लिए प्रदेश में ३,०६,६७४ नमूनों की टेस्टिंग की गई जिनमें ११६५ नए केस सामने आए। इस अवधि में २४४६ मरीजों ने कोरोना को मात दी और स्वस्थ हुए। वहीं कोरोना संक्रमण से १०१ मरीजों ने दम तोड़ दिया।कोरोना संक्रमण का प्रतिदिन का

पाजिटिविटी रेट घटकर अब ०.४ प्रतिशत रह गया है, जबकि रिकवरी रेट बढ़कर ६७.७ प्रतिशत पहुंच गया है। प्रदेश में अब कुल १७,६२८ सक्रिय केस रह गए हैं जिनमें से १०,१४१ मरीज होम आइसोलेशन में हैं।कानपुर में १०२, गौतम बुद्ध नगर में ६१, मेरठ में ५५, वाराणसी में ५१, पीलीभीत में ४५, आजमगढ़ में ४३, लखनऊ में ४२, सहारनपुर में ३७, गोरखपुर में ३६ और लखीमपुर खीरी में ३२ नए केस मिले हैं।स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना संक्रमण के कारण जनसमुदाय में पैदा हुई प्रतिरक्षा का पता लगाने के लिए राजधानी स्थित किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के सहयोग से बीते चार जून से प्रदेश में कोरोना सीरो सर्विलांस स्टडी शुरू की है। कोरोना संक्रमण के कारण जन समुदाय में पैदा हुई समूह प्रतिरक्षा (हर्ड इम्यूनिटी) का पता लगाने के लिए की जा रही सीरो सर्विलांस स्टडी तीन चरणों में संपन्न होगी। तीनों चरणों में मिलाकर प्रदेश में कुल ६१,७६२ लोगों के खून के नमूने लेकर उनमें एंटीबाडी की मात्रा पता लगाई जाएगी। इस अध्ययन से यह पता चल सकेगा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में कोरोना संक्रमण से कितनी समूह प्रतिरक्षा विकसित हुई है।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को किया मजबूत : योगी

लखनऊ। देशभर के १८ वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों के लिए राज्यों को निश्शुल्क टीका उपलब्ध कराने और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को दीपावली तक बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। सोमवार को जारी बयान में सीएम योगी ने कहा कि राज्य सरकारों को १८ से ४४ वर्ष के नागरिकों को वैक्सीन देने के लिए स्वतंत्रता दी गई थी। अनेक राज्य सरकारें ऐसी थीं, जो इस खर्च को वहन करने में दिक्कत महसूस कर रही थीं। राज्यों की इस समस्या का समाधान प्रधानमंत्री ने कर दिया है। १८ वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक के लिए निश्शुल्क टीके की घोषणा की है, जो २१ जून से लागू होगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मई और जून का खाद्यान्न ८० करोड़ देशवासी प्राप्त कर रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने हर गरीब के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए इस योजना को दीपावली तक आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है, ताकि संकट के समय किसी भी गरीब को भूखा न सोना पड़े और इस महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में पूरा देश कोरोना के खिलाफ लड़ाई को मजबूती से

लड़ रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र के दोनों फैसलों की सराहना करते हुए आभार जताया और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के टीकाकरण से ही कोरोना पर प्रभावी प्रहार होगा। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक संकट में सही समय पर उचित निर्णय लिए और देश को गंभीरतम संकट से उबारने का काम किया। उन्होंने कहा कि जो लोग टीके को लेकर अफवाहें फैला रहे हैं, वह जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

राज्यपाल से मिले यूपी प्रभारी राधा मोहन सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार चल रही राजनीतिक गतिविधियों के बीच रविवार को पार्टी के प्रभारी राधा मोहन सिंह ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की। इससे पहले शनिवार को वे दिल्ली में थे, जहां पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की ओर से बुलाई गई बैठक में शामिल हुए। वहां से अचानक वे लखनऊ पहुंचे और रविवार को राज्यपाल से मुलाकात की। राज्यपाल से मुलाकात के बाद राधा मोहन सिंह ने कहा है कि प्रभारी बनने के बाद वे राज्यपाल से मिले नहीं थे, इसलिए उन्होंने शिष्टाचार मुलाकात की है। हालांकि उनकी मुलाकात की बाद राज्य सरकार में बदलाव की अटकलें फिर तेज हो गई हैं। राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार में फेरबदल की अटकलों के बारे में उन्होंने कहा है कि इसका फैसला मुख्यमंत्री खुद करेंगे। उन्होंने कहा– जो भी पद खाली हैं, उचित समय आएगा तो उन्हें मुख्यमंत्री स्वयं भरेंगे। मुख्यमंत्री बदले जाने के सवाल पर उन्होंने कहा– सीएम अच्छा काम कर रहे हैं। सभी उनका लोहा मानते हैं, कोरोना से निपटने में उन्होंने किस तरह काम किया है, यह सब जानते हैं। राधा मोहन सिंह ने कहा– सरकार और संगठन अच्छे से काम कर रही है। कुछ लोगों के अपने दिमाग की खेती है, जो कुछ भी

कह रहे हैं। हमने पंचायत चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया है। पहले स्थानीय पार्टी के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा सीटें हुआ करती थीं, लेकिन हमने इस बार ज्यादा सीटें जीती हैं। उन्होंने कहा– जिला पंचायत के चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया और जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी सरकार में फेरबदल के बारे में पूछे जाने परभी सरकार और संगठन में सब कुछ ठीक होने का दावा करते हुए कहा– मंत्रिमंडल विस्तार के सवाल पर कहा कि मुख्यमंत्री बहुत मेहनती हैं। २४ घंटे काम करते हैं। कानून का राज है। इसके पहले जिन लोगों की सरकार रही आप लोगों ने उसको देखा है, किस तरह से एक पार्टी की सरकार रही है। भ्रष्टाचार की सरकार रही है। दिल्ली से लखनऊ पहुंचे प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने शनिवार देर रात प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व महामंत्री सुनील बंसल के साथ बैठक की। जानकार सूत्रों के मुताबिक बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से मिले दिशानिर्देश पर चर्चा हुई। राधा मोहन सिंह शनिवार को दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की बैठक में शामिल हुए थे।

पेट्रोल–डीजल के दामों ने फिर मारी छलांग, जानें आज के ताजा भाव

नई दिल्ली । रविवार को पेट्रोल–डीजल की कीमतों में फिर से उछाल आया है। कोरोना महामारी के इस काल में लगातार बढ़ते दामों ने आम आदमी को और मुसीबत में डाल दिया है। एक दिन की राहत के बाद देश के सभी महानगरों में पेट्रोल–डीजल की कीमतें फिर से बढ़ गई हैं। देशभर में पेट्रोल के दामों में २७ पैसे प्रति लीटर और डीजल के दामों में २६ पैसे प्रति लीटर का इजाफा हुआ है. दिल्ली में आज एक लीटर पेट्रोल के दाम ९५.०३ रुपये और डीजल के दाम ८५.६५ रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं। वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में आज पेट्रोल १०१.२५ रुपये और डीजल ६३.१० रुपये पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के १३५ जिलों में पेट्रोल की कीमत १०० रुपये से ज्यादा पर पहुंच गई है। दिल्ली में पेट्रोल ९५.०३ रुपये प्रति लीटर और डीजल ८५.६५ रुपये प्रति लीटर। मुंबई में पेट्रोल १०१.२५ रुपये प्रति लीटर और डीजल ६३.३० रुपये प्रति लीटर। कोलकाता में पेट्रोल ९५.०२ रुपये प्रति लीटर और डीजल ८८.८० रुपये प्रति लीटर। चेन्नई में पेट्रोल ९६.४७ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९०.६६ रुपये प्रति लीटर। राजस्थान में भी पेट्रोल–डीजल की कीमतें लगातार नया रिकॉर्ड बना रही हैं। रविवार को राजधानी जयपुर में पेट्रोल १०१.५९ रुपये प्रति लीटर और ९४.८१ रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। वहीं आज बेंगलुरु में भी कीमतों में उछाल आया और पेट्रोल ९८.२० रुपये प्रति लीटर तो ९१.१२ रुपये प्रति लीटर हो गया है। बता दें कि वैट और परिवहन शुल्क के आधार पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें एक राज्य से दूसरे राज्य में भिन्न होती हैं।

सम्पादकीय

अब आगे क्या होगा....?

यह तो साफ है कि अभी दसवीं या बारहवीं की परीक्षाओं को आयोजित करने का वक्त नहीं है। एक तरफ कोरोना महामारी का भय फैला हुआ है, दूसरी तरफ इस आपदा ने सैकड़ों परिवारों पर त्रासदी ढाई है। उन परिवारों के बच्चों को अभी बोर्ड परीक्षा में बैठने के लिए कहना असंवेदनशील ही होगा। लेकिन इस मामले का कठिन पहलू यह है कि परीक्षाओं का संबंध छात्रों के करियर से है। ये लगातार दूसरा साल है, जब महामारी से पढ़ाई और परीक्षाएं प्रभावित हो रही हैं। सवाल है कि क्या इसके असर से छात्रों को उबारने का कोई उपाय नीति निर्माताओं ने सोचा है? जाहिर है, नहीं सोचा होगा। इसलिए जो सूरत उभरती है, वह भविष्य के लिए बेहद चिंताजनक है। छात्र परीक्षा रद्द होने के फैसले की वजह से फिलहाल तनावमुक्त जरूर हो गए हैं, लेकिन आगे की पढ़ाई को लेकर उनके मन में चिंता निश्चित रूप से गहरा गई होगी। कॉलेजों में दाखिले का अब मानदंड क्या होगा, ये सवाल उन्हें मथ रहा होगा। जिन छात्रों के १०वीं या ११वीं में नंबर बेहतर नहीं थे, अगर उन नंबरों को आधार बनाया गया, तो उनके १२वीं के नंबर कम हो जाएंगे। ऐसे छात्र अक्सर बारहवीं के बोर्ड की परीक्षा के लिए जम कर तैयारी करते हैं, ताकि वे पिछली कमी की भरपाई कर सकें। अब ऐसे छात्र इस अवसर से वंचित हो गए हैं। दाखिले में कटऑफ काफी अहम होता है। जिन्हें नंबर बढ़िया नहीं आए, उनके लिए दाखिला मिलना मुश्किल होता है। हालांकि अब तक यह साफ नहीं किया गया है कि १२वीं के नंबर किस आधार पर तय किए जाएंगे, लेकिन जब भी ये तय हो, तमाम पहलुओं पर गौर जरूर किया जाना चाहिए। शिक्षाविदों की ये चिंता जायज है कि परीक्षा रद्द करने के फैसले का दूरगामी असर हो सकता है। उनके मुताबिक मेधावी छात्र दाखिले से वंचित रह सकते हैं, जबकि सामान्य छात्रों को पहले के प्रदर्शन के आधार पर दाखिला मिल सकता है। इससे एक विसंगति पैदा होगी। हजारों छात्रों को इसका मनोवैज्ञानिक दबाव झेलना होगा। इसलिए ये सुझाव गौरतलब है कि सरकार को ऐसे छात्रों की काउंसलिंग कराने की व्यवस्था करनी चाहिए। बेशक महामारी के दौरान भर्ती परीक्षा आयोजित करना भी आसान नहीं होता। छात्र, अभिभावक और शिक्षक इससे एक अतिरिक्त दबाव में रहते। लेकिन अब आगे क्या होगा, इसकी सुध लेने की जरूरत है।

भाजपा सरकार और संगठन में छिटपुट बदलाव और फेरबदल से इन्कार नहीं

लखनऊ। कोरोना के प्रकोप के बीच भी राजनीति गर्म रही तो शायद इसका सबसे बड़ा कारण अगले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश में होने वाला चुनाव है। यूं तो बंगाल चुनाव ने ही विपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया है, लेकिन उत्तर प्रदेश खास है और इसका अंदाजा विपक्ष से ज्यादा सत्ताधारी भाजपा को है। विपक्ष ने योगी सरकार को घेरने की रणनीति तय की है, खुद भाजपा के अंदर कुछ स्तरों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नाराजगी भी जताई जा रही है। लेकिन सूत्रों की मानें तो आज के दिन भाजपा योगी के चेहरे को ही जिताऊ मानती है और उनके चेहरे पर ही दांव लगाएगी। खुद योगी को भी साबित करना होगा कि केंद्रीय नेतृत्व ने जिस भरोसे के साथ प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी थी, वह उस पर खरे हैं और लोगों का भी विश्वास है। माना जा रहा है कि जनवरी में विधानसभा चुनाव की घोषणा होगी।पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में भाजपा के बड़े नेताओं की समीक्षा बैठक ने अटकलों को तेज हवा दी। लेकिन भाजपा के सूत्र प्रदेश सरकार व संगठन में किसी बड़े बदलाव की संभावना और मुख्यमंत्री उम्मीदवार में बदलाव को खारिज करते हैं। सूत्रों के अनुसार, यह सच है कि राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष और प्रभारी राधामोहन सिंह के साथ मुलाकात में प्रदेश के कई नेताओं ने थोड़ी नाराजगी जताई थी। नौकरशाही को मिल रही वरीयता और कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगा था। लेकिन ऐन चुनाव के वक्त यह बदलाव का कारण नहीं बन सकता। योगी ने तब सक्रियता दिखाई जब कोरोना काल में कई जनप्रतिनिधि घर में घुसे बैठे थे। उन्होंने दौरा किया और लोगों का हौसला बढ़ाया। उस वक्त सपा के मुखिया अखिलेश भी दूर रहे और कांग्रेस प्रभारी प्रियंका ट्विटर पर ही दिखीं।योगी कोरोना के प्रबंधन में सक्रिय दिखे। पहली लहर को काबू करने और

दूसरी लहर को थामने की कोशिश की। देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद दूसरे राज्यों के मुकाबले संक्रमण भी कम हुआ और मृत्यु भी। एक पदाधिकारी के अनुसार एक वक्त लगा था कि उत्तर प्रदेश बहुत बुरी तरह संक्रमित होगा, लेकिन मुख्यमंत्री की सक्रियता ने इसे थामने में मदद की। पहली लहर के वक्त वह प्रदेश के प्रवासियों व छात्रों को सरकारी संसाधनों के जरिये वापस लाने में सबसे आगे दिखे। दूसरी लहर में भी वह मदद की घोषणा में आगे हैं। तीसरी लहर की व्यापक तैयारी शुरू हो गई है।सामान्य प्रशासन में वह धमक दिखाने में कामयाब रहे हैं। बाहुबली हों या उपद्रवी, योगी ने प्रशासन का इकबाल दिखाया। मंत्रिमंडल में भले कई विवाद खड़े हुए हों, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर योगी की ईमानदारी पर कोई अंगुली नहीं उठी। उत्तर प्रदेश में हिंदुत्व हमेशा से एक मुद्दा रहा है और योगी उस पहलू पर सबसे फिट बैठते हैं। उन्हें जाति के खांचे में गढ़ने की कोशिश हुई, लेकिन उनका हिंदुत्व का चोला बड़ा है।सूत्र बताते हैं कि अब तक किसी भी स्तर पर मुख्यमंत्री चेहरे में बदलाव को लेकर न तो चर्चा हुई है और न ही इसकी कोई संभावना है। बल्कि प्रदेश स्तर पर उनकी कार्यप्रणाली को लेकर शिकायत करने वाले नेताओं की ओर से भी उन्हें बदलने को लेकर कोई सुझाव नहीं दिया गया। हां यह जरूर कहा गया कि स्वभाव से थोड़े अक्खड़ मुख्यमंत्री को कुछ स्तर पर समन्वय स्थापित करना होगा। जाहिर तौर पर इसकी जिम्मेदारी केंद्रीय नेतृत्व के पास होगी। जातिगत और दूसरे समीकरणों के लिहाज से मंत्रिमंडल या संगठन में छोटे मोटे बदलाव किए जा सकते हैं। गठबंधन के नए साथियों की खोज और उन्हें भविष्य के संबंध में वादों का जिम्मा भी केंद्रीय नेतृत्व के साथ समन्वय के साथ किया जाएगा, लेकिन चेहरा योगी ही होंगे।

सड़क पार कर रहे जीजा व भाई को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर , मौत

लखनऊ। सरोजनी नगर के बंथरा इलाके में बनी पुल के पास अपने वाहन को रोड पर खड़ी कर चाय पीने के लिए सड़क पार कर रहे थे ।तभी इसी दौरान अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे दोनों लोगो

टक्कर मार दी। इस टक्कर में दोनों लोग गंभीर घायल हो गए ।जिन्हे स्थानीय लोगो की मदद से पुलिस ने ट्रामा सेंटर भेजा ।जहां रास्ते में ही मौत हो गई ।मौके पर पहुंची पुलिस शवो को सील कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया ।जनपद बाराबंकी के थाना देवा के ग्राम वरपा तिं डाला निवासी स्वर्गीय राम गुलाम पुत्र संदीप कुमार ने बंथरा पुलिस को सूचना दी कि मेरा भाई रामफल पुत्र स्वर्गीय रांम गुलाम उम्र करीब चालीस वर्ष व हरियाणा के जनपद नूह के तहसील पुन हां ना के त ई पट्टी निवासी मोहम्मद रफीक महिंद्रा पिकप चलाते है ।तभी इसी दौरान क्लीनर जीजा विजय कुमार पुत्र सत्य नारायण निवासी लोध पुरवा थाना गोसाईगंज बीती दस बजे सोहरा मऊ से लखनऊ जाते समय बनी पुल के पास गाड़ी खड़ी कर चाय पीने के लिए रोड पार कर रहे थे ।तभी इसी दौरान सड़क पार करते समय एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी ।इस टक्कर में राम फल व विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए ।जिन्हे घायलावस्था में स्थानीय लोगो की मदद से पुलिस ने ट्रामा सेंटर के लिए भेजा ।जहां रास्ते में ही मौत

अखिलेश यादव ने सरकार के विकास मॉडल पर उठाए सवाल

लखनऊ। सरकार के विकास मॉडल की पोल खोलने का दावा करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों की एकता भारतीय जनता पार्टी के दंभ को चकनाचूर कर देगी। रविवार को जारी बयान में सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा शासनकाल में प्रदेश में सबसे ज्यादा हालत किसान की ही खराब हुई है। आर्थिक रूप से किसानों पर बहुत चोट हुई है। करीब एक वर्ष पूर्व कालेंषि कानूनों से भाजपा ने जो काली बुनियाद रखी उससे पूरी कृषि अर्थव्यवस्था ही चौपट हो गई। इसके विरोध में किसानों का बड़ा आंदोलन जारी है। अब भी किसान का आक्रोश कम नहीं हुआ है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि दोगुनी आय का सपना किसानों को वोट हथियाने वाली भाजपा के शासनकाल में फसल का लाभकारी मूल्य नहीं मिला है। किसानों को बहकाने के लिए एमएसपी का राग तो खूब गया, लेकिन हकीकत में किसानों की फसल की खरीददारी कहीं नहीं हुई। औने–पौने दामों

पर गेहूं बिचौलियों के हाथ बेचना पड़ा। इसके पूर्व धान की फसल में भी किसान की लूट हुई।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किसान समृद्धि योजना को धोखा देने की नई भाजपाई साजिश बताया। उन्होंने खाद की बोरियों की तौल में कमी करके और उसके दाम बढ़ाकर किसान के साथ खेल होने की बात कही। डीजल के दाम बढ़ाने से किसान तो प्रभावित होता ही है, परिवहन महंगा होने से खाद्य वस्तुएं भी महंगी होने लगती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तीर से अन्नदाता और उपभोक्ता को शिकार बनाने यह भाजपाई षड्यंत्र अब जनता से छिपेगा नहीं।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज किया कि सच यह है कि केवल विज्ञापनों तक ही सीमित रह गए हैं भाजपा सरकार के थोथे दावे। किसान के उपयोग की सभी चीजें महंगी करने के बाद और उसको दिए गए आश्वासनों की पूर्ति न होने से भाजपा के विकास माडल की पोल खुल गई है। भाजपा की इन चालबाजियों से ऊबे किसान और त्रस्त जनता अब उसको करारा जवाब देने का संकल्प ले चुके है।

उत्तर प्रदेश में नए डीजीपी के चयन की प्रक्रिया तेज

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के चयन की प्रक्रिया तेज हो गई है। वर्तमान डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी का कार्यकाल ३० जून को पूरा हो रहा है। यूपी सरकार ने राज्य में नए डीजीपी का चयन करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को १९९० बैच तक के ३१ आइपीएस अधिकारियों का ब्योरा भेजा है। आयोग अब सूची में शामिल तीन डीजी के नामों का चयन कर राज्य सरकार को अवगत करायेगा।उत्तर प्रदेश के मौजूदा डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी जून महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इसके साथ ही हितेश चंद्र अवस्थी के सेवा विस्तार व प्रदेश पुलिस के अगले मुखिया को लेकर अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। चर्चा यह भी है कि राज्य सरकार कुछ दिनों के लिए कार्यवाहक डीजीपी की तैनाती भी कर सकती है।बता दे कि पूर्व डीजीपी ओपी सिंह के सेवानिवृत्त होने के बाद शासन ने वरिष्ठता के आधार पर हितेश चंद्र अवस्थी को पहले कार्यवाहक डीजीपी बनाया था। बाद में उन्हें पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त किया गया था। डीजीपी बनने की रेस में वरिष्ठता सूची के आधार पर डीजी नासिर कमाल, मुकुल गोयल, डा.आरपी सिंह, डा. आरके विश्वकर्मा, देवेंद्र सिंह चौहान व आनंद कुमार का दावा मजबूत माना जा रहा है।राज्य सरकार ने

जिन अधिकारियों का ब्योरा संघ लोक सेवा आयोग को भेजा है उसमें १९८६ से १९९० बैच तक के ३१ अधिकारियों के नाम शामिल हैं। डीजीपी के पद के लिए कम से कम ३० साल की सेवा पूरी करना जरूरी होता है। ऐसे में १९९० बैच तक के आइपीएस अफसरों की सूची भेज दी गई है। इसमें उन अधिकारियों का नाम शामिल नहीं किया गया है जिनका छह माह के अंदर रिटायरमेंट है।नए डीजीपी के चयन के लिए इस महीने के आखिर में संघ लोक सेवा आयोग में बैठक हो सकती है। इसमें यूपीएससी के चेयरमैन के अलावा केंद्रीय गृह विभाग के अफसर और यूपी के मुख्य सचिव व डीजीपी सदस्य होते हैं। एक अन्य अधिकारी यूपीएससी और केंद्रीय गृह विभाग की ओर से नामित किया जाता है। ये अधिकारी मिलकर तीन नाम तय करते हैं, जिसे राज्य सरकार को भेजा जाता है। फिर मुख्यमंत्री तय करते हैं कि इन तीन में से वह किसे डीजीपी बनाएंगे।संघ लोक सेवा आयोग को उत्तर प्रदेश सरकार ने जिन ३१ अफसरों के नाम भेजे गए है उसमें पहले नंबर पर १९८६ बैच के आइपीएस नासिर कमाल का नाम है। वह वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। दूसरे नंबर पर मुकुल गोयल हैं, वह भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। तीसरे नंबर पर एसआइटी और ईओडब्ल्यू के डीजी आरपी सिंह हैं। इसके बाद विश्वजीत महापात्रा, जीएल मीणा, राज कुमार विश्वकर्मा, डीएस चौहान, आनंद कुमार और विजय कुमार के नाम भी शामिल हैं।

कैश लोडिंग कंपनी से निष्कासित युवक ने लगाई थी एटीएम में सेंध

लखनऊ। एटीएम में कैश लोडिंग करने वाली कंपनी से निकाले गए कस्टोडियन ने साथी और उसकी मां के साथ मिलकर मोहिबुल्लापुर स्थित एटीएम से ११ लाख, १५ हजार रुपये उड़ा दिए। पुलिस ने कैश लोडिंग कंपनी सीएमएस इंफो सिस्टम के मैनेजर श्रीकांत मिश्रा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज मां–बेटे समेत तीन आरोपितों को रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एटीएम से निकाला गया सारा कैश और तीन मोबाइल

भी बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तारी की टीम में शामिल पुलिस कर्मियों को २० हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है।डीसीपी रईश अख्तर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में गोमतीविहार फैजुल्लागंज निवासी शैलेंद्र सिंह उसकी मां नन्हीं सिंह (मूल निवासी बहादुरपुर नीमगांव लखीमपुर खीरी) साथी रवि सिंह चौहान निवासी खानीपुर मड़ियांव है। तीनों बीते १८ मई को मोहिबुल्लापुर स्थित एटीएम में गए थे। रवि और नन्हीं बाहर खड़ी थी। शैलेंद्र एटीएम के अंदर गया। उसने एटीएम की कैश ट्राली का कोड डाला। यह कोड उसे रवि ने बताया था। क्योंकि रवि को कोड पता था। रवि गोमतीनगर विराजखंड स्थित सीएमएस इंफो सिस्टम कैश लोडिंग कंपनी में नौकरी करता था। कुछ माह पहले उसे निकाल दिया गया था। कंपनी के कर्मचारी २० मई को जब पहुंचे और चेक किया तो कैश कम मिला। इसके बाद मैनेजर ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। एक खाली प्लाट में तीनों रुपयों का बटवारा कर रहे थे, इस बीच पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उन्हें दबोच लिया।इंस्पेक्टर मड़ियांव मनोज कुमार सिंह के मुताबिक चोरी की घटना कंपनी के नए कस्टोडियन की लापरवाही के कारण हुई है, जो रवि के निकालने जाने के बाद रखा गया। एटीएम में कैश ट्रे में जब रुपये डाले जाते हैं तो उसका कोड कस्टोडियन के पास होता है। मोहिबुल्लापुर स्थित बैंक आफ बड़ौदा के एटीएम रुपये डालने का काम सीएमएस इंफो सिस्टम कंपनी द्वारा ही किया जाता है। चूंकि नौकरी के दौरान यहां पर रुपये डालने आता था इस लिए उसे कोड की जानकारी थी। नियमतः जब किसी कैश लोडिंग कंपनी का कर्मचारी नौकरी छोड़ता है तो एटीएम की कैश ट्रे का कोड बदल दिया जाता है। रवि के स्थान पर जो कर्मचारी कंपनी कस्टोडियन का काम कर रहा था। उसने कोड नहीं बदला इस कारण चोरी हुई। कंपनी का मैनेजर का दावा है कि उनके कई अन्य एटीएम से भी रुपये चोरी हो चुके हैं। कंपनी के नए कस्टोडियन की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

लखनऊ में व्यापारी को गन प्वाइंट पर बंधक बनाकर चेन–अंगूठी लूटी

लखनऊ। बाहुबली मुख्तार अंसारी के करीबियों ने बीते रात हजरतगंज हलवासिया मार्केट में किराएदार व्यापारी सुबोध बाजपेयी को गन प्वाइंट पर बंधक बना लिया। उसे जमकर पीटा इसके बाद पांच लाख रुपये, चेन और अंगूठी लूट ली। पीड़ित तहरीर लेकर कोतवाली पहुंचा तो पुलिस ने टरका दिया। इसके बाद एक केंद्रीय मंत्री ने मामले जानकारी पुलिस कमिश्नर को दी। कमिश्नर के आदेश पर रविवार रात पांच नामजद और सात अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। पीड़ित सुबोध द्वारा हजरतगंज कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया कि वह हजरतगंज में फोटोग्राफी का व्यवसाय करते थे। बीते साल कोविड–१९ संक्रमण के चलते उन्हें व्यवसाय में घाटा हो गया। इसके बाद व्यवसाय बंद कर उन्होंने अपना सारा सामान भवन स्वामी के हलवासिया कोर्ट स्थित चौथे तल पर छोड़ दिया और कुछ तीन माह बाद सामान ले जाने की बात कहकर दिल्ली चले गए। इस पर भवन स्वामी की पत्नी दीप शिखा यादव और उनकी बेटी तैयार हो गई। फिर सारा सामान छोड़कर वह दिल्ली चले गए। तीन माह बाद लौटे तो जहां पर सामान रखा था वहां कक्ष में मकान मालिक ने अपना ताला जड़ दिया। उन्होंने बिजली के बिल और मेंटेनेंस शुल्क का भुगतान कर सामान ले जाने की बात कही। इसके बाद सुबोध फिर दिल्ली चले गए। वर्ष २०२१ में हाल में ही उन्हें पता चला कि मकान मालिक ने उनका सारा सामान २५ लाख रुपये में किसी को बेच दिया है। इस पर उन्होंने राहुल गर्ग से बात की। राहुल ने उन्हें बात करने के लिए लखनऊ बुलाया। सुबोध ने बताया कि वह अपने चालक के साथ पहुंचे। वहां, राहुल गर्ग, जैन अंसारी उर्फ सद्दन, इमरान, कृष्मा सिंह और अश्वनी मिश्रा ने गन प्वाइंट पर बंधक बना लिया और लात घूसों से जमकर पीटा। उक्त लोगों ने जेब में पड़े पांच लाख रुपये, दो सोने की चेन, तीन अंगूठी लूट ली। खुद को मुख्तार का करीबी बताते हुए धमकी दी। पुलिस में शिकायत करने पर ऊंची पहुंच का हलावा देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि दीपशिखा यादव और असावरी ने उनके व्यवसाय से जुड़ा डाटा भी चोरी कर बेच दिया। आरोप है कि हमलावरों के कक्ष में कैमरा भी लगा था। पर घटना के बाद उन्होंने उसकी डीवीआर गायब कर दी। इसके बाद पुलिस अधिकारियों से शिकायत की फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद एक केंद्रीय मंत्री से न्याय की गुहार की। केंद्रीय मंत्री के हस्तक्षेप पर कमिश्नर ने निर्देश दिए जिसके बाद हजरतगंज कोतवाली में राहुल गर्ग, जैन अंसारी, इमरान, कृष्णा और अश्वनी के अलावा सात अज्ञात के खिलाफ डकैती का मुकदमा दर्ज किया गया। इंस्पेक्टर हजरतगंज श्यामबाबू शुक्ला ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। वहीं, आरोपितों की तलाश भी की जा रही है।

जालसाजों ने युवक के बैंक खाते से उड़ाई बीस हजार की नकदी

आलमबाग कृष्णा नगर कोतवाली इलाके में रहने वाले एक युवक के बैंक खाते से जालसाजों ने दो बार में बीस हजार रूपए की नकदी पार कर दी। जानकारी होने पर युवक ने बैंक को सूचना देने के बाद स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत की। स्थानीय पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित ५५१ घ / २६३ , कुटिया वाली गली , नटखेड़ा रोड, आलमबाग में रहने वाले श्रेयश सिंह पुत्र राम निवास सिंह ने बताया कि,उनका वेतन का खाता एच डी एफ सी बैंक में है। उनके मोबाइल पर,खाते से २० हजार रुपए निकल जाने के मैसेज आने पर,उन्होंने अपने बैंक शाखा को सूचना देने के बाद स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत की। वहीं बैंक द्वारा जानकारी हुई कि गोमती नगर स्थित एक ए टी एम बूथ से पैसे निकले गए हैं। वहीं पीड़ित का कहना था कि बीते २ जून की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह अपने घर में मौजूद थे,और ए टी एम कार्ड उनके पास था। जब कि घटना के समय पीड़ित ने बैंक से प्राप्त ट्रांजेक्शन नंबर के आधार पर पुलिस को तहरीर दी, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शातिर चोर चोरी के माल संग गिरफ्तार,भेजे गए जेल

लखनऊ। आशियाना पुलिस ने रविवार को वाहन चेकिंग के दौरान दो शातिर चोरों को चोरी के माल संग गिरफ्तार कर लिया। वहीं पकड़े गए शातिरों के खिलाफ पुलिस ने चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। आशियाना थाना प्रभारी परमहंस गुप्ता ने बताया कि रविवार को थाना क्षेत्र स्थित सरपोटगंज चौराहा ट्रांन्जिट हास्टल के पास वाहन चेकिंग के दौरान दो शातिर चोरों को चोरी के माल संग गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए शातिरों के पास से पुलिस को तलाशी के दौरान चोरी के जेवर एक सोने की चेन, दो चांदी का पाएजेब , एक चांदी का चाभी का गुच्छा, एक चांदी की अंगूठी, एक कलाई की घड़ी सहित ३०५० रुपए की नकदी व मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। पकड़े गए शातिरों ने पुलिस पूछताछ में अपना परिचय गोलू पुत्र बकरीदी निवासी सदाफारम थाना कोतवाली शहर जनपद सीतापुर हाल पता खुर्रमनगर थाना इन्द्रानगर लखनऊ व दूसरे ने सचिन कुमार पुत्र रमेश निवासी इमामीपुर थाना मोहम्मदपुर जिला बाराबंकी हाल पता सिकंदरपुर सेक्टर एच टेढीपुलिया थाना जानकीपुरम लखनऊ के रूप में दिया है। पुलिस ने चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर शातिरों को जेल भेज दिया है।

भाजपा महासचिवों की पीएम के साथ बैठक

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले राज्यों के चुनाव की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी के महासचिवों की रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक हुई। महासचिवों की बैठक शनिवार से ही चल रही थी। बैठक के दूसरे दिन रविवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा सभी महासचिवों को लेकर प्रधानमंत्री के आवास पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने पार्टी महासचिवों को अगले साल सात राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटने को कहा। उनकी मीटिंग में उत्तर प्रदेश के लेकर खास तौर से चर्चा हुई, जहां अगले साल फरवरी–मार्च में चुनाव होने वाले हैं। प्रधानमंत्री के आवास पर हुई मीटिंग में भाजपा अध्यक्ष के साथ संगठन महामंत्री बीएल संतोष और दूसरे बाकी महासचिव भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि यह बैठक अगले साल होने वाले उत्तर

प्रदेश विधानसभा चुनाव से जुड़े मसलों पर खास बात हुई। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश को लेकर पिछले कुछ दिनों से पार्टी की बैठकों का दौर लगातार चल रहा है। इन बैठकों कैबिनेट में बदलाव से लेकर चुनाव की रणनीति बनाने तक हर मसले पर बात हुई है। पार्टी संगठन में बदलाव के बारे में विचार मंथन चल रहा है। इससे पहले शनिवार और रविवार को जेपी नड्डा ने दिल्ली में पार्टी महासचिवों के साथ बैठक की। इसमें उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की गई। इस बैठक में बीएल संतोष और उत्तर प्रदेश के भाजपा प्रभारी राधा मोहन सिंह भी मौजूद रहे थे। भाजपा ने रविवार को कोरोना की दूसरी लहर के दौरान अपने कार्यकर्ताओं के कामों की समीक्षा की। इस दौरान कहा गया कि आने वाले दिनों में पार्टी देश भर में एक लाख हेल्थ वालंटियर तैयार करेगी।

झूठे आंकड़ों से जनता को बरगलाना चाहती है भाजपा सरकार - अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार झूठे आंकड़ों के सहारे जनता को बरगलाना चाहती है। कोरोना संक्रमित कर्मचारियों के ड्यूटी पर मौत के मामलों को छिपाकर मुआवजा देने से बचना

चाहती है। अपनी नाकामी छिपाने के लिए कोरोना से मरने वालों की संख्या कम बता रही है। अगर उसकी नीयत साफ है तो वह सभी मृतकों की सूची क्यों नहीं जारी करती।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चिंतन–मनन, मंथन और भोजन–विश्राम के बीच ही भाजपा अपनी चुनावी रणनीति बनाती है। उत्तर प्रदेश में चुनाव सिर पर हैं और प्रदेश की जनता कोरोना से ज्यादा भाजपा सरकार के कुशासन से त्रस्त है। कोरोना और ब्लैक फंगस के इलाज में लापरवाही के चलते लाखों जानें गई हैं। अब भाजपा नेतृत्व को लगने लगा कि प्रदेश सरकार के कुछ ही दिन शेष बचे हैं। सत्ता हाथ से जा रही है, इसलिए हड़बड़ाहट में भाजपा नेतृत्व दिल्ली से लखनऊ तक दौड़ लगाने लगा है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सच तो यह है कि भाजपा का कार्यकर्ता और आरएसएस स्वयंसेवक दोनों अपनी उपेक्षा के चलते विश्राम की मुद्रा में चले गए हैं। हालत यह है कि दिल्ली से भेजे गए दूत एक को मनाते हैं तो दूसरा रूठ जाता है। सरकार और संगठन में दरार–रार पाटने के लिए ट्वीट पर ट्वीट कर किसी तरह अपना पिंड छुड़ाकर नेतागण विश्राम मुद्रा में चले जा रहे हैं।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर मृत कोरोना संक्रमित कर्मचारियों के परिवारजनों से मिलेंगे और उन्हें सांत्वना देगे, उनकी परेशानी पूछेगें। वैसे सभी पार्टीजन से अपेक्षा है कि वे जरूरतमंदों की मदद करेगें और किसी को भूखा नहीं सोने देंगे। जनता को बरगलाने में भाजपा अब सफल नहीं होगी। जनता ने निश्चय कर लिया है कि २०२२ में भाजपा की विदाई और समाजवादी सरकार बनना तय है। भाजपा बढ़ते जनाक्रोश और किसान आंदोलन से डरी हुई है। इसी से उत्तर प्रदेश में कभी संगठन में तो कभी सरकार में फेरबदल की चर्चा छेड़ी जाती है, लेकिन अब लोग गुमराह होने वाले वाले नहीं है।

संघ नेताओं के साथ ट्विटर का खेला!

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के साथ चल रहे विवादों के बीच माइक्रोब्लगिंग साइट ट्विटर ने शनिवार को संघ के पदाधिकारियों के साथ कमाल का खेला किया। ट्विटर ने संघ प्रमुख मोहन भागवत सहित कई पदाधिकारियों के अकाउंट का ब्लू टिक हटा दिया यानी इन्हें वेरीफायड अकाउंट मानने से इनकार कर दिया। ट्विटर ने इन्हें निष्क्रिय अकाउंट बता कर इनका ब्लू टिक हटाया था। इससे पहले शनिवार को ही ट्विटर ने उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू के ट्विटर हैंडल से ब्लू टिक हटा दिया था। लेकिन थोड़ी देर बाद ही उनका ब्लू टिक लगा दिया गया और शाम होते होते संघ के सभी पदाधिकारियों को ट्विटर हैंडल का भी ब्लू टिक बहाल हो गया। उप राष्ट्रपति और संघ पदाधिकारियों के ट्विटर हैंडल से ब्लू टिक हटाने के थोड़ी देर बाद ही भारत सरकार की ओर से ट्विटर को नए आईटी कानून मानने के लिए आखिरी चेतावनी जारी की गई। इस बीच संघ की ओर से भी इस मसले पर तीखी टिप्पणी हुई और नाइजीरिया का हवाला देते हुए कहा गया कि वहां की सरकार ने ट्विटर को निलंबित कर दिया था।इस बीच इस मसले पर ट्विटर ने सफाई देते हुए कहा

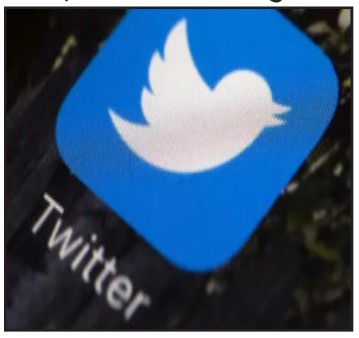

कि ये अकाउंट काफी समय से एक्टिव नहीं थे। इसलिए वेरिफिकेशन पलिसी के तहत बिना किसी सूचना के अनवेरिफाई करते हुए इनसे ब्लू बैज हटा दिया गया। ट्विटर की इस कार्रवाई के बाद विवाद शुरू हो गया और यह ध्यान दिलाया गया कि दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, कांग्रेस नेता अहमद पटेल सहित कई लोगों के ट्विटर अकाउंट अब भी वेरिफायड हैं और ब्लू टिक के साथ दिख रहे हैं। संघ पदाधिकारियों के अकाउंट से ब्लू टिक हटाने के विवाद पर संगठन ने तीखी प्रतिक्रिया दी। आरएसएस नेता राजीव तुली ने कहा कि ट्विटर को इसकी स्पष्ट वजह बतानी होगी। यह डिजिटल सामंतवाद नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि ट्विटर ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह बरताव न करे। तुली ने कहा– यह एक प्रकार का डिजिटल सामंतवाद है, जो ट्विटर जैसी सोशल मीडिया कंपनियां भारत में चलाना चाहती हैं। लेकिन सामंतवाद तो ईस्ट इंडिया कंपनी का भी भारत में नहीं चल पाया था। उन्होंने नाइजीरिया का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के राष्ट्रपति का अकाउंट ट्विटर ने सस्पेंड कर दिया था, इस पर नाइजीरियाई सरकार ने ट्विटर को ही निलंबित कर दिया था। अगर नाइजीरिया जैसा देश ये कर सकता है तो भारत तो संप्रभु और शक्तिशाली देश है।

SDG स्कोरः भारत की रैंकिंग नेपाल से नीचे!

नई दिल्ली। टिकाऊ विकास के मामले में भारत की स्थिति पहले से और खराब हो गई है। दुनिया के देशों में भारत की रैंकिंग गिरी है और यह नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका से भी नीचे पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से

दुनिया के १६३ देशों में अपनाए गए टिकाऊ विकास के लक्ष्यों का आकलन किया गया है, जिसमें भारत की रैंकिंग दो स्थान गिर कर ११७ पहुंच गई है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों ने २०१५ में इन टिकाऊ विकास के १७ लक्ष्यों को स्वीकार किया था। इन लक्ष्यों को २०३० तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। कोरोना संक्रमण के बीच २०२१ की रिपोर्ट में पता चला है कि भारत टिकाऊ विकास की प्रमुख चुनौतियों जैसे भुखमरी खत्म करने और खाद्य सुरक्षा हासिल करने, लैंगिक समानता, लचीले बुनियादी ढांचे का निर्माण, समावेशी और टिकाऊ औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और इनोवेशन को बढ़ावा देने की कसौटी पर बहुत पिछड़ गई है। इन्हीं कारणों से भारत की रैंकिंग गिरी है। २०२१ में भारत का कुल टिकाऊ विकास लक्ष्य, एसडीजी का स्कोर एक सौ में से ६१.६ अंक रहा है। इस मामले में भारत दक्षिण एशिया में भूटान, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे देशों से भी पिछड़ गया है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट में देश के राज्यों की तैयारियों का भी ब्योरा दिया गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, २०३० तक एसडीजी के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बिहार और झारखंड की तैयारियां सबसे खराब हैं। एसडीजी के लक्ष्यों को तय समय पर पूरा करने को लेकर केरल, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ सही दिशा में काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों नीति आयोग की ओर से भारत के एसडीजी लक्ष्य की रैंकिंग घोषित की गई थी, बिहार और झारखंड उसमें भी सबसे पीछे थे।

महाराष्ट्र पहुंची 'मानसून' एक्सप्रेस, कई इलाकों में झमाझम बारिश

मुंबई। केरल के बाद दक्षिण पश्चिम मानसून अब महाराष्ट्र में भी दस्तक दे दी है। शनिवार को मानसून के महाराष्ट्र में पहुंचने के साथ ही राज्य के तटीय इलाकों में बारिश हुई। शनिवार को मुंबई, ठाणे समेत कई अन्य शहरों में बारिश हुई। भारतीय मौसम विभाग ने दक्षिण पश्चिम मानसून के महाराष्ट्र में पहुंचने की जानकारी देते हुए कहा कि यह औपचारिक रूप से तटीय रत्नागिरी जिले में हरनाई बंदरगाह में पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून से इन क्षेत्रों में बारिश होने की उम्मीद है। मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के अधिकांश हिस्ध्से तक मानसून की पहुंच हो चुकी है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि रविवार और सोमवार को आसमान पर बादल छाए रहने और कहीं–कहीं बूंदाबादी के आसार हैं। मंगलवार से दिन के समय तेज हवाएं चलने ललेंगी। उत्तर भारत सहित देश के कई हिस्सों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुंबई केंद्र की निदेशक शुभांगी भुते के अनुसार, सोलापुर तथा मराठावाड़ा के कुछ हिस्सों में बारिश के आसार हैं। इससे पहले आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने जानकारी देते हुए बताया था कि देश में इस साल मानसून सामान्य रहने का अनुमान है। जिससे औसतन वर्षा ९६ से १०४ प्रतिशत होने की संभावना है। हालांकि इस बार मानसून दो दिन की देरी से करेल पहुंचा है। वहीं देश के कई हिस्सों में मौसम बदला हुआ है। दिल्ली समेत राजस्थान के कई जिलों में शनिवार को आंधी और बारिश का दौर रहा। राजस्था में जयपुर के साथ बीकानेर, उदयपुर, अलवर, अजमेर, सीकर सहित कई जिलों में बारिश हुई। वहीं बीकानेर और श्रीडूंगरगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में बरसात के साथ ओले भी गिरे। तेज आंधी और बारिश से कई जगह पेड़ गिरने और बिजली गुल होने की खबरें हैं। उत्तर भारत सहित देश के कई हिस्सों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, सोलापुर तथा मराठावाड़ा के कुछ हिस्सों में बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने आज रविवार को राजस्थान के भागों में भी आंधी–ओले–बारिश की संभावना जताई है।

राशन माफिया मददगार केंद्र, केजरीवाल ने मोदी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घर घर राशन पहुंचाने की योजना रोके जाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया है। रविवार को उन्होंने एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस करके केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। केजरीवाल ने कहा आरोप लगाया कि केंद्र सरकार घर–घर राशन पहुंचाने की योजना पर रोक लगा कर दिल्ली में राशन माफिया की मदद करना चाह रही है। केजरीवाल ने कहा– जब पिज्जा–बर्गर की और स्मार्ट फोन की घर–घर डिलीवरी हो रही है तो राशन की डिलीवरी क्यों नहीं हो सकती है। मुख्यमंत्री ने सवालिया लहजे में कहा– अगर आप राशन माफिया के साथ खड़े होंगे, तो गरीबों का साथ कौन देगा? उन्होंने कहा– दिल्ली में अगले हफ्ते से घर–घर राशन पहुंचाने का काम शुरू होने वाला था। सारी तैयारियां हो चुकी थीं, लेकिन आपने अचानक इसे क्यों रोक दिया? प्रधानमंत्री से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा– पीएम सर, इस स्कीम के लिए राज्य सरकार सक्षम है और हम केंद्र से कोई विवाद नहीं चाहते। हमें गरीबों के लिए काम करने दीजिए। हमने इसका नाम मुख्यमंत्री घर–घर

राशन योजना रखा था। आपने तब कहा कि योजना में मुख्यमंत्री नाम नहीं आ सकता। हमने आपकी बात मानकर नाम हटा दिया। अब आपने हमारी योजना यह कहते हुए खारिज कर दी कि हमने केंद्र से अनुमति नहीं ली है। केजरीवाल ने दावा करते हुए कहा– केंद्र सरकार से इस योजना के लिए हमने पांच बार अनुमति ली। केजरीवाल ने कहा– केंद्र सरकार के अधिकारी कह रहे हैं कि ये राशन केंद्र का है तो दिल्ली क्रेडिट क्यों ले? मैं क्रेडिट नहीं ले रहा हूं, प्लीज लागू कर दीजिए। दुनिया से कहूंगा कि मोदी जी ने योजना लागू की। ये राशन न आम आदमी पार्टी का है, न भाजपा का। ये राशन तो इस देश के लोगों का है और इस राशन की चोरी रोकने की जिम्मेदारी हम दोनों की है। मुख्यमंत्री ने केंद्र पर राज्यों और लोगों से लड़ने का आरोप लगाते हुए कहा– ये वक्त एक–दूसरे से झगड़ने का नहीं है। लोगों को लगने लगा है कि इतनी मुसीबत के समय भी केंद्र सरकार सबसे झगड़ रही है। आप ममता दीदी से झगड़ रहे हैं। झारखंड सरकार से झगड़ रहे हैं। आप लक्षद्वीप के लोगों से झगड़ रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार से लड़ रहे हैं। दिल्ली के लोगों से लड़ रहे हैं। किसानों से लड़ रहे हैं। लोग इस बात से बहुत दुखी हैं सर। ऐसे देश कैसे चलेगा?

यूपी बोर्ड के छात्रों को प्रमोट करने का फार्मूला तैयार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा निरस्त कर विद्यार्थियों को प्रोन्नत करने की घोषणा के बाद अब रिजल्ट तैयार करने का काम तेज हो गया है। अपर मुख्य सचिव (माध्यमिक शिक्षा) आराधना शुक्ला की अध्यक्षता में शनिवार को राजधानी में स्थित माध्यमिक शिक्षा निदेशक के शिविर कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें प्रोन्नति के फार्मूले पर चर्चा की गई। रविवार को भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सभी जिलों के शिक्षाधिकारियों से प्रोन्नति के मसले पर चर्चा की जाएगी। फिलहाल शनिवार को हुई बैठक में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के ५६ लाख विद्यार्थियों को प्रोन्नत करने के लिए कई बिंदुओं पर मंथन किया गया। इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों का रिजल्ट कक्षा १० की बोर्ड परीक्षा के अंकों व कक्षा ११ में मिले अंकों के औसत के आधार पर तैयार किया जाएगा। अगर कक्षा ११ के वार्षिक परीक्षा के अंक उपलब्ध नहीं होंगे तो उस स्थिति में कक्षा १२ की प्री बोर्ड परीक्षा के अंकों को जोड़ा जाएगा।इसी तरह हाईस्कूल का रिजल्ट कक्षा नौ में मिले अंकों व कक्षा १० के प्री बोर्ड के अंको के औसत के आधार पर तैयार किया जाएगा। फिलहाल आंतरिक मूल्यांकन इत्यादि पर भी चर्चा की गई। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम जून के अंतिम सप्ताह में घोषित करने की तैयारी की जा रही है।उत्तर प्रदेश माध

यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल परीक्षा पहले ही निरस्त हो चुकी है, जबकि इंटरमीडिएट की परीक्षा बाद में गुरुवार को निरस्त की गई। दोनों के लिए पंजीत परीक्षार्थियों को प्रमोट किया जाना है। उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने गुरुवार शाम को ऐलान किया कि प्रोन्नत करने का फार्मूला तैयार हो गया है, लेकिन कुछ घंटे बाद कहा गया कि अपर मुख्य सचिव आराधना शुक्ला की अगुवाई में प्रोन्नत का फार्मूला तय करने की कमेटी बनाई गई है। यकायक तय फार्मूले को टालने की वजह सीबीएसई की ओर से की जा रही देरी है।

अब सभी जिलों में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए बड़े बदलाव की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए यातायात पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाने से लेकर आधुनिक तकनीक के विस्तार के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) को १७ नगर निगम वाले शहरों तथा गौतमबुद्धनगर में प्रभावी ढंग से लागू करने के साथ ही इसे नगर निकाय वाले ५७ जिलों में भी लागू करने का निर्देश दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को यातायात नियमों के प्रति जागरूक बनाने के लिए पाठ्यक्रम में यातायात नियमों को भी शामिल किया जाए। वर्तमान में लखनऊ व वाराणसी में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनजमेंट सिस्टम सबसे प्रभावी ढ़ंग से काम कर रहा है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का और समावेश भी होगा। सभी जिलों में ट्रैफिक के कमांड सेंटर के जरिए यातायात प्रबंधन की आधुनिक व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर यातायात निदेशालय के पुनर्गठन संबंधी प्रस्तुतीकरण किया गया। योगी ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में नगरीय व अंतरजनपदीय ट्रैफिक का प्रभावी संचालन व उसकी मानीटरिंग सबसे महत्वपूर्ण है। कहा कि इसकी प्रभावी मानीटरिंग वीडियो वाल के जरिए की जाए और कहीं भी जाम की स्थिति न पैदा होने दी जाए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यातायात पुलिसकर्मियों का प्रभावी इस्तेमाल किए जाने के साथ ही प्रदेश में यायातात सिपाहियों की संख्या करीब २३ हजार किए जाने का निर्देश भी दिया। बताया गया कि वर्तमान में यातायात पुलिस व होमगार्ड के १६ हजार जवान ट्रैफिक ड्यूटियां संभालते हैं। मुख्यमंत्री ने स्कूलों के पाठ्यक्रम में यातायात नियमों के पालन से जुड़े पाठ शामिल किए जाने का निर्देश दिया। कहा कि पाठ्यक्रम में संबंधित सामग्री का समावेश किया जाए, जिससे बच्चे शुरू से यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक बनें।सीएम योगी ने जगह–जगह पर यातायात संकेतों को स्थापित करने के निर्देश भी दिए। कहा कि पटरी दुकानदारों की सुविधा के लिए वेंडिंग जोन की व्यवस्था की जाए। पुलिसकर्मियों का प्रशिक्षण बढ़ाने के साथ ही यातायात व्यवस्था संभालने में लगे होमगार्डों को भी प्रशिक्षण दिया जाए। यातायात प्रबंधन में तकनीक का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने प्रस्तुतीकरण दिया। यातायात निदेशालय के विवरण के साथ यातायात पुलिस की संरचना, कार्य, उपलब्धियां, सड़क सुरक्षा ढांचे, बजट, तकनीकी प्रबंधन व चुनौतियों की जानकारी दी। बैठक में डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी, एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस द्वारा आत्महत्या के लिए उकसाने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक गोसाईगंज पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत गस्त कर रही थी मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि वांछित चल रहा आरोपी सुधाकर पटेल जो रहमत नगर रेलवे क्रसिंग के पुलिया के पास मौजूद है सूचना मिलते ही पुलिस मुखबिर के बताए हुए स्थान पर जा पहुंची जहां पर संदिग्ध युवक पुलिस को दिखाई पड़ा जो पुलिस को देखते ही वह भागने का प्रयास करने लगा लेकिन वह भागने में असफल रहा पुलिस ने घेर कर उसे मौके पर ही दबोच लिया नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम सुधाकर सिंह पटेल पुत्र अवध कुमार निवासी मोहम्मदपुर गढ़ी थाना गोसाईगंज जनपद लखनऊ बताया आरोपी के विरुद्ध पहले पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था तभी से पुलिस इसकी सरगर्मी से तलाश कर रही थी जिसको आज पुलिस ने युवक

को गिरफ्तार कर गोसाईगंज थाना लेकर आई आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया इसके पहले भी नामित अभियुक्त मोहित को २१ मई २१ को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है

आलमबाग बैकुंठ धाम मे लोगों को दाह संस्कार करना हो रहा दूभर

अखिलेश दुबे

लखनऊ। आलमबाग क्षेत्र मे स्थित बैकुंठ धाम मे इलेक्ट्रिक शवदागृह मे ताला लगाकर बन्द कर रखा गया है दाह संस्कार करने आये लोगों को दाह संस्कार नही करने दिया जा रहा है। यहां लोगों को मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने मे भी सूत्रों के द्वारा बैकुंठ धाम मे हो रही दंबगई और धाधली के वीडियो और तस्वीरों लगातार वायरल होने के बावजूद भी नगर निगम प्रशासन लोगों की समस्याओं को गम्भीरता से नही ले रहा है।

स्वतंत्रता सेनानी मौलवी अहमदुल्लाह शाह फैजाबादी के नाम पर होगा अयोध्या धन्नीपुर मस्जिद प्रोजेक्ट

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अयोध्या में मिली पांच एकड़ भूमि पर प्रस्तावित धन्नीपुर मस्जिद प्रोजेक्ट के नामकरण पर फैसला हो गया है। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट के मुताबिक, मस्जिद और अस्पातल परिसर का नाम स्व्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी मौलवी अहमदुल्लाह शाह फैजाबादी के नाम पर रखने का फैसला किया गया है। ट्रस्ट को इस बारे में अलग–अलग प्लेटफार्मों से सुझाव मिले थे, जिसके बाद आधिकारिक तौर पर विचार–विमर्श कर निर्णय लिया गया।इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट के मुताबिक, मौलवी अहमदुल्लाह शाह फैजाबादी ने १८५७ की क्रांति के बाद अवध को ब्रिटिश हुकूमत से मुक्ध्त करोने के लिए दो साल से अधिक समय तक स्व्वतंत्रता आंदोलन चलाया था। यही कारण है कि ट्रस्ट ने धन्च्नीपुर गांव में बनने वाली मस्जिद, अस्पताल, संग्रहालय, अनुसंधान केंद्र और सामुदायिक रसोई सहित सभी योजनाओं को उन्च्हीं के नाम से शुरू करने का फैसला किया है।इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन ने बताया कि मौलवी अहमदुल्लाह शाह फैजाबादी के शहीदी दिवस पर हमने उनके नाम पर ही सभी परियोजनाओं की शुरुआत करने का फैसला लिया है। आजादी की

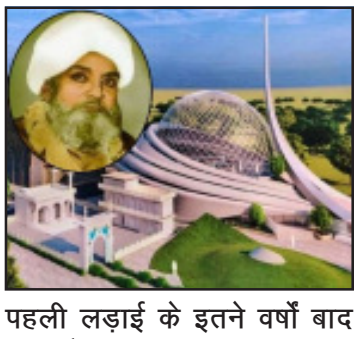

पहली लड़ाई के इतने वर्षों बाद भी मौलवी अहमदुल्लाह शाह फैजाबादी को भारतीय इतिहास में अभी तक वो हक नहीं मिला है, जिसके वह हकदार थे। मस्जिद सराय, फैजाबाद, जो १८५७ के विद्रोह के दौरान मौलवी का मुख्यालय थी, वहां एकमात्र जीवित इमारत है जो उनके नाम को संरक्षित करती है।मस्जिद और उससे जुड़े प्रोजेक्ट के नाम को लेकर शुरू से ही उधेड़बुन थी। यह पहले ही तय हो गया था कि यह मस्जिद मुगल शासक बाबर के नाम से नहीं बनेगी। काफी सोच–विचार के बाद मस्जिद निर्माण प्रोजेक्ट के लिए गठित इंडो–इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने इस प्रोजेक्ट को मौलवी अहमदुल्लाह शाह फैजाबादी का नाम दिया। फाउंडेशन के सचिव अतहर हुसैन के अनुसार मौलवी हिंदू–मुस्लिम भाईचारा के आइकान हैं और उनके नाम की मस्जिद, अस्पताल, कम्युनिटी किचन भाईचारा की भावना को और मजबूत करेगी। फाउंडेशन के एक अन्य सदस्य कैप्टन अफजाल खान कहते हैं कि मौलवी सदियों से हमें प्रेरित करते आए हैं और इस प्रोजेक्ट में नाम जुड़ने के साथ वे कहीं अधिक प्रासंगिक होकर भावी पीढ़ियों तक को प्रेरित करते रहेंगे।बता दें कि नौ नवंबर २०१६ को सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या भूमि विवाद में एक बड़ा फैसला सुनाते हुए विवादित भूमि को रामलला का जन्मस्थान मानते हुए उस पूरी भूमि को रामलला ट्रस्ट को सौंप दिया था। इसके साथ ही मामले में दूसरे पक्ष को राम जन्मभूमि से करीब २५ किलोमीटर दूर रौनाही के धन्नीपुर में मस्जिद बनाने के लिए भी पांच एकड़ जमीन दी गई थी, जिस पर अब मस्जिद का निर्माण शुरू होगा।

भाजपा सरकार के एमएलसी उमेश दिवेदी ने शिक्षकों की उठाई आवाज, मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र

ए,के,दुबे

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी व शिक्षक महासभा के प्रदेश अध्यक्ष उमेश दिवेदी ने शिक्षकों की दयनीय स्थिति से अवगत कराने के सम्बंध मे योगी सरकार को पत्र लिखा। उमेश दिवेदी ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि उत्तर प्रदेश के लाखों वित्तविहीन शिक्षक कोरोना के कारण विद्यालय बन्द होने व वेतन प्राप्त न होने से अपना व परिवार का जीवनयापन भी नही कर पा रहे है। विद्यालयों में न के बराबर शुल्क आया है जिससे अधि ाकांश प्रबंधकों ने शिक्षकों व कर्मचारियों को वेतन देना कई महीनों से बन्द कर दिया है। यह शिक्षक प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा में ८७: भागीदारी रखते हैं पर आज दीन–हींन दशा में हैं। बोर्ड परीक्षा में कक्ष निरीक्षक, केंद्र व्यवस्थापक, मूल्यांकन करके इन्हें कुछ आय हो जाती थी लेकिन परीक्षा निरस्त होने से इन पर और भी आपदा आ गयी है। पूरे प्रदेश में लॉकडाउन के कारण विद्यालय पूरी तरह बन्द हैं। आगे भी कब तक बन्द रहेंगे कहा नही जा सकता यह अन्य कोई कार्य भी नही कर सकते है। बोर्ड द्वारा प्रत्येक छात्र से ५००–६०० रुपये परीक्षा मद में लिए गए हैं जो अरबो रुपये हो रहा है यदि इसी पैसे से इन शिक्षकों को कोरोना राहत दे दी जाये तो भी इस आपदा में वित्तविहीन शिक्षकों के आंसू पोछे जा सकते है।वर्तमान

परिस्थिति में शिक्षक व कर्मचारी बहुत ही दुखी, हताश, निराश है शिक्षकों व कर्मचारियों में सरकार के प्रति नकारात्मक का संदेश जा रहा है तथा संगठन व सरकार के प्रति शिक्षकों में अविश्वास पैदा हो रहा है। अतः गम्भीरतापूर्वक अति उदार मन से विचार करते हुए जीविकोपार्जन करने के लिए कोरोना राहत पैकेज उक्त शिक्षकों को दिए जाने का आदेश–निर्देश संबंधितों को देने का निवेदन किया है जिससे इन शिक्षकोंध्कर्मचारियों का भी जीविकोपार्जन हो सके।

अद्भुत स्थान : जोन आफ साइलेंस

अमरेन्द सहाय अमर

पर्यटन के शौकीन लोग दुनिया के हर छोटे–बड़े कोने में घूमना फिरना पसंद करते हैं . वैसे तो दुनिया भर में ऐसी कई जगहें हैं जो काफी प्रसिद्ध है. यहां साल भर पर्यटकों की आवा जाही लगी रहती है. हर जगह की अपनी खासियत होती है जो उसे बाकी जगहों से अलग बनाती है. ऐसी ही एक जगह है मेक्सिको सिटी में, जिसे 'जोन ऑफ साइलेंस' के नाम से जाना जाता है. यहां होने वाली अजीबोगरीब घटनाओं के बारे में जानकर आप हैरान रह जायेंगे कि आखिर इस जगह का नाम 'जोन ऑफ साइलेंस' क्यों पड़ा. ये जगह मेक्सिको में चिहुआहुआ रेगिस्तान के नाम से जानी जाती है. इस जगह पर आते ही दुनिया के तमाम इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खुद ब खुद काम करना बंद कर देते हैं. आज तक कोई पता नहीं लगा पाया किस वजह से यहां कोई भी रेडियों सिग्नल यहाँ काम नहीं करती है. आखिर यहां आकर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस काम करना क्यों बंद कर देते हैं ? जोन ऑफ साइलेंस' दुनिया भर के वैज्ञानिकों के लिए आज भी एक रहस्य बना हुआ है. आपको जानकर हैरत होगी कि इस जगह कंपास, जी पी एस या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण काम नहीं करता है. आखिर धरती में यह कौन सी जगह है जहां यह अजीबोगरीब घटना होती है. आइए जानते हैं. ये जगह मेक्सिको में चिहुआहुआन रेगिस्तान के नाम से जानी जाती है. शोधकर्ता आज तक इस तथ्य की जानकारी नहीं जुटा पाए हैं कि आखिर मेक्सिको के इस रेगिस्तान में रेडियो फ्रिक्वेंसी काम क्यों नहीं कर पाती. लगभग बंजर इस जगह को जोन ऑफ साइलेंस के नाम से जाना जाता है. बात वर्ष १९७० की है . जब एक अमेरिकी मिसाइल यहां पहुंचते ही क्रैश हो गया. तब सबसे पहले इस जगह के बारे में पता चला. मिसाइल क्रैश की वजह का पता लगाने जब विशेषज्ञ इस स्थान पर पहुंचे तो उन्होंने पाया कि उनका जी पी एस तेजी से गोल चक्कर लगा रहा है. उनकी हैरत का ठिकाना नहीं था जब उन्हें पता लगा कि इस जगह पर कंपास या जी पी एस ही नहीं, कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण काम नहीं कर रहा. काफी जांच पड़ताल करने के बाद विशेषज्ञों ने पाया कि यह स्थान एक तरह का डार्क जोन था जहां टीवी सिग्नल, रेडियो, शॉर्ट वेव या सैटेलाइट सिग्नल तक नहीं पहुंच पा रहे थे. जिसके बाद उन्होंने इस स्थान को 'जोन ऑफ साइलेंस' नाम दे दिया. आखिर क्यों काम नहीं करते यंत्र इस घटना के तुरंत बाद मेक्सिको की सरकार ने इस स्थान पर एक विशाल लैबोरेट्री तैयार किया और उसका नाम 'द जोन' रखा गया. बताया गया कि यहां के रहस्यों को जानने के लिए एक प्रयोगशाला बनी है. साथ ही इस अजीबो गरीब जगह पर पाए जाने वाले वनस्पति और कीड़े–मकोड़ों पर भी शोध चल रहा है. प्रारंभिक शोध से पता चलता है कि जोन ऑफ साइलेंस में मैग्नेटिक गुण हैं, जिसके कारण यहां सारे यंत्र काम करना बंद कर देते हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थान पर आज से लाखों साल पहले समुद्र था, यानी ये जगह तब समुद्र का धरातल रही होगी. हालांकि स्थानीय लोगों का मानना है कि जोन ऑफ साइलेंस में कोई पारलौकिक शक्ति वास करती है जो समझ के परे हैं. कुछ लोग तो ये भी कहते हैं कि यहां एलियंस रहते हैं।

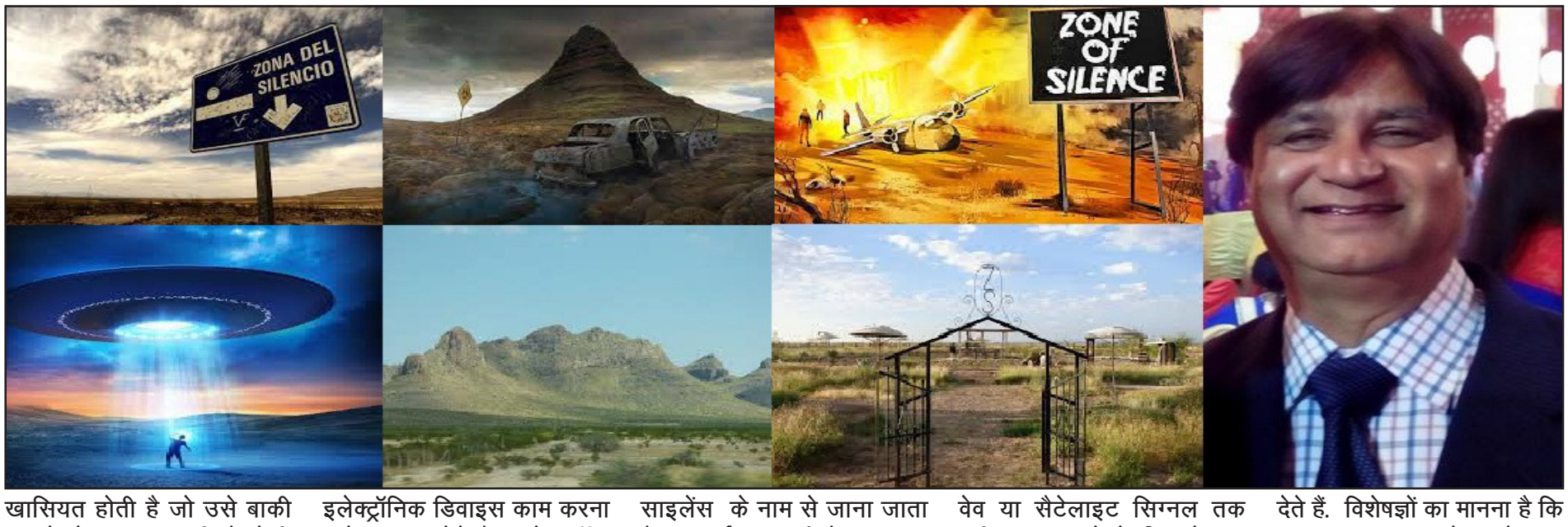

हर्ष फायरिंग में युवक को लगी गोली, मां ने लगा ली फांसी

अलीगढ़।अतरौली के पालीमुकीम पुर क्षेत्र के गांव खुर्दिया में स गाई के दौरान एक युवक द्वारा की गई हर्ष फायरिंग में एक युवक के गोली लग गई। जिससे सगाई समारोह में

भगदड़ मच गई। घायल हुए युवक को परिजन आनन–फानन में मेडिकल कलेज ले गए। जहां डॉक्टरों ने युवकों मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।गांव खुर्दिया निवासी राजेंद्र सिंह के बेटे बसंत कुमार की रविवार की रात सगाई समारोह का कार्यक्रम था। सगाई समारोह के दौरान गांव के ही एक युवक के द्वारा हर्ष फायरिंग कर दी गई। हर्ष फायरिंग के दौरान गोली नरेंद्र ३६ वर्ष पुत्र महीपाल सिंह के पेट में लग गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन–फानन में युवक के परिजन उसे मेडिकल कलेज ले गए। जहां डक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।हर्ष फायरिंग करने वाले आरोपित युवक की मां ने मृतक नरेंद्र की मौत की खबर सुनते ही अपने आप को कमरे में बंद कर लिया और साड़ी को कमरे में लगे पंखे से बांधते हुए फंदा अपने गले में डालते हुए फंदे पर लटक गई। मगर परिजनों ने कमरे का दरवाजा तोड़ते हुए महिला को बचा लिया और बेहोशी हालत में गांव हरदोई के एक डॉक्टर के यहां उपचार के लिए ले गए।

कार्यालय परिसर से मतपेटी उठा ले गया शराबी

अलीगढ़। अलीगढ़ के छर्रा स्थित ब्लॉक गंगीरी कार्यालय परिसर से एक पुरानी मतपेटिका को ले जा रहे युवक को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सवाल उठता है कि मतपेटिका उसके हाथ कैसे लग गई। कोतवाली छर्रा निरीक्षक अश्वनी कौशिक के अनुसार रविवार की देर रात पुलिस कस्बा के अतरौली चौराहा पर गस्त कर रही थी। तभी एक युवक छोटे से बक्स को ले जा रहा था। पुलिस ने युवक को रोक कर पूछताछ की। पूछताछ में पता चला है कि युवक नशे की हालत में था। उसने बताया कि वह बक्स को ब्लक से उठा कर लाया है। कोतवाल ने बताया कि युवक मतपेटिका को ब्लक से उठा कर ले जा रहा था। जांच की जा रही है।

विभिन्न मामलों में तमाम गिरफ्तार

कृष्ण कुमार शुक्ला, लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन में सम्पूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछितध्वारंटियोंध्संदिग्ध अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए गए अभियान के अंतर्गत आज दिनाँक ०६.०६.२०२१ को थाना नीमगाँव पुलिस द्वारा मु०अ०सं० १२२६ २१ धारा ३२६।/४६८। भादवि व ३७४ डीपी एक्ट में वांछित अभियुक्त ललित कुमार बाजपेई पुत्र अनूप कुमार बाजपेई निवासी ग्राम बैबहा थाना नीमगाँव जनपद खीरी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

ग्राम पंचायत सदस्यों के लिए नामांकन संपन्न

कृष्ण कुमार शुक्ला

मितौली–खीरी। विकासखंड मितौली की उन्यासी ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत सदस्यों से कुल ४६२ रिक्त पदों पर गत दिवस

विकासखंड मितौली मुख्यालय पर नामांकन सुबह ८ बजे से ५ तक संपन्न हुआ इस अवसर पर चुनाव अधिकारी के साथ खंड विकास अधिकारी मितौली चंदन देव पांडे द्वारा ११ न्याय पंचायतों की अलग–अलग नामांकन कराए जाने की व्यवस्था कराई गई थी। उप जिलाधिकारी मितौली दिग्विजय सिंह ने नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के उद्देश्य को लेकर थानाध्यक्ष मितौली अनिल कुमार सैनी एवं वरिष्ठ उपनिरीक्षक जेपी यादव तथा मैं हमराही फोर्स के साथ नामांकन प्रक्रिया का समय–समय पर निरीक्षण करते रहे अधिकांश स्थानों पर ग्राम पंचायत सदस्यों के एकल नामांकन पत्र जमा हुए तथा कुछ स्थानों पर ग्राम पंचायत सदस्यों का चुनाव संपन्न कराया जाएगा।

वाहन चालकों को हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने को मिली राहत

अलीगढ़। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सभी वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट और कलर कोडेड स्टीकर लगाने को वाहन चालकों को प्रदेश सरकार ने एक और मोहलत देते हुए राहत दी है। प्रदेश में सबसे पहले व्यावसायिक वाहनों के लिए उनके क्रमांक के अनुसार अलग–अलग तारीखों तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाना अनिवार्य किया गया है। आरटीओ प्रवर्तन फरीदउद्दीन ने बताया कि सरकार ने कोरोना संक्रमण के चलते वाहन चालकों की परेशानियों को देखते हुए अवधि ा बढ़ाने का निर्णय लिया है।उन्होंने बताया कि ३० सितंबर तक दिल्ली–एनसीआर में पंजीं त सभी जिलों के निजी वाहनों एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के व्यवसायिक वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य होगा। इसके बाद संबंधि ात वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन की कार्रवाई की जाएगी। सभी जिलों में निजी वाहनों पर वाहन रजिस्ट्रेशन के इकाई नम्बर के अनुसार हाई सिक्योरिटी प्लेट लगाने की तारीखें तय की गई हैं। इसके तहत जिन वाहनों के नंबर के अंत में ० या १ है उन्हें १५ नवंबर तक हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट एवं कलर कोडेड स्टीकर लगवाना अनिवार्य किया गया है। जिन निजी वाहनों के पंजीकरण नंबर के अंत में २ और ३ हैं उन पर १५ फरवरी २०२२ तक। जिन नंबर का इकाई नंबर ४ या ५ है, उन पर १५ मई २०२२ तक। वाहनों के नंबर के अंत में ६ या ७ हैं, उन्हें १५ अगस्त २०२२ तक और जिनके वाहनों के पंजीकरण की इकाई का नंबर ८ या ९ है, उन्हें १५ नबंबर २०२२ तक हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट एवं कलर कोडेड स्टीकर लगवाना अनिवार्य होगा।

किशोर युवक नें पेड़ से लटक कर की आत्महत्या

अलीगढ़। अलीगढ़ के जवां क्षेत्र के गांव कस्तली में एक किशोर ने संदिग्ध परिस्थितियों में गले में रस्सी का फंदा डालकर अपने खेत पर पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली। पुलिस के पहुंचने से पूर्व ही परिजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया।भूपेंद्र पुत्र कमल सिंह १८ वर्ष सोमवार की सुबह ५ बजे परिवार वालों से खेत पर जाकर धान की पौध देखने के लिए कह कर निकला था। जब वह सुबह ७रू०० बजे तक नहीं लौटा तो परिवार वालों को चिंता हुई। उन्होंने भूपेंद्र के छोटे भाई को उसे देखने खेत पर भेजा, जहां भूपेंद्र खेत के पास खड़े बकान के पेड़ पर रस्सी से लटका हुआ मृत अवस्था में मिला। मृतक के भाई ने घर फोन कर परिजनों व ग्रामीणों को बुला लिया एवं उसको पेड़ से उतारकर लोगों के सहयोग से अंतिम संस्कार कर दिया। किसी ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दी, लेकिन जब तक पुलिस घटनास्थल पर पहुंचती मृतक का अंतिम संस्कार हो चुका था। जब इस विषय में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि लोगों ने उन्हें बताया कि मृतक भूपेंद्र मानसिक रूप से परेशान था। एक प्राइवेट डॉक्टर द्वारा उसका इलाज भी कराया जा रहा था।

संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव अभी तक पुलिस को नहीं मिली तहरीर

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। थाना भीरा पुलिस ने एक गांव में संदिग्ध हालत में युवक का शव बरामद किया है जिसे पोस्टमार्टम के लिए लखीमपुर जिला अस्पताल भिजवा दिया गया है।सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली भीरा के ग्राम बैरिया टांडा निवासी अनिल लगभग २६ वर्षीय नामक युवक का शव उसी के घर में बीती रात पड़े होने की सूचना मिली थी जिस पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुचकर उसे अपने कब्जे में पूछताछ शुरू कर दी है। लेकिन अभी तक उसकी मौत का कारण पता स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। एसएचओ अजय राय का कहना है मृतक के शरीर पर किसी तरह की चोट अथवा मारपीट के निशान नहीं मिले हैं मृतक चारपाई पर नींद की हालत में था। लोगों ने बताया की युवक नशेड़ी भी था और उसने इससे पूर्व भी कई बार आत्महत्या करने का भी प्रयास किया था। इसकी मौत के बारे में जांच की जा रही है। मौत किन कारणों पर हुई है यह तो पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद पता चल सकेगी। वही ग्राम में युवक की हत्या किए जाने की चर्चा गर्म है मृतक कुंवारा जहां बताया गया वही अपने पिता रामपाल का इकलौता पुत्र भी बताया गया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस के अनुसार मृतक के पिता ने अभी तक कोई प्रार्थना पत्र भी नही दिया है।

डीएम ने फूलबेहड़ ब्लॉक में देखी नामांकन प्रक्रिया, दिए निर्देश

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। रविवार को डीएम डॉ अरविंद कुमार चौरसिया ने जिले में रिक्त ग्राम पंचायत में प्रधान–ग्राम पंचायत व सदस्य–ग्राम पंचायत के चल रही एक दिवसीय नामांकन प्रक्रिया को देखने विकासखंड फूलबेहड़ पहुंचे। जहां निर्वाचन अधिकारी (असिस्टेन्ट कमिश्नर, वाणिज्यकर) ललित कुमार उपाध्याय से प्रध ान–ग्राम पंचायत के ०१ रिक्त पद व १४८ सदस्य, ग्राम पंचायत के रिक्त पदों पर दाखिल नामांकन की अद्यतन स्थिति जानी एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बताते चलें कि जिले में सदस्य–जिला पंचायत (बांकेगंज तृतीय वार्ड संख्या २३) का ०१ रिक्त पद, ०२ रिक्त पद प्रधान–ग्राम पंचायत (पलिया व फूलबेहड़), ०५ रिक्त पद सदस्य क्षेत्र पंचायत (ब्लॉक–लखीमपुर, नकहा, कुम्भी, बिजुवा, रमियाबेहड़) व ४२१४ सदस्य ग्राम पंचायत के पद रिक्त हैं। डीएम ने बीडीओ प्रीति तिवारी से ब्लक में क्रियान्वित विकासपरक कार्यक्रमो की बिंदुवार जानकारी ली। प्रध ानो के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम चलाए जाए। ग्रामो में जल निकास का प्रबंधन के इंतेजाम जाना। ग्राम को स्मार्ट ग्राम बनवाये। मिशन कायाकल्प की अद्यतन प्रगति जानी। ग्राम सत्यापन की जानकारी मांगी। ग्रामो में कचरा प्रबंधन की रणनीति बनाए। उन्होंने बाढ़ एरिया में ऊंचे स्थानो पर लगे हैंडपम्पो की संख्या, मनरेगा से खुदवाएं तालाबो का डाटा जाना। मनरेगा के अकाउंट्स ऑपरेशनल है या नही, इसे चेक कराये। निर्देश दिए कि ब्लॉक के सभी ग्रामो में अभियान चलाकर वैक्सीनेशन करवाएं। इस मौके पर उपजिलाधिकारी–सदर डॉ अरुण कुमार सिंह, तहसीलदार–सदर उमाशंकर, खंड विकास अधिकारी फूलबेहड़ प्रीति तिवारी, एडीआईओ विपिन कुमार, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) रामाधार मौजूद रहे।

दिलीप कुमार की सोशल मीडिया पर मौत की खबरों पर सायरा बानो ने लगाया विराम, कहा-हालात स्थिर, न दें अफवाहों पर ध्यान

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर दिलीप कुमार को रविवार सुबह सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत पर मुंबई के खार स्थित हिंदुजा अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। ९८ साल के दिलीप कुमार के अस्पताल में भर्ती होने की खबर ऐसी फैली कि लोगों ने अपने मन मुताबिक बातें

शुरू कर डाली। सोशल मीडिया पर उनके निधन की खबरें शुरू हो गई। जबकि, उनकी हालत में सुधार है। डॉक्टर्स का कहना है कि दो–तीन दिन में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। सोशल मीडिया पर आई इन खबरों पर विराम लगाते हुए उनकी पत्नी और एक्ट्रेस सायरा बानू प्रतिक्रिया दी है। दिलीप कुमार के ट्विटर अकाउंट से भी उनके स्वास्थ्य का अपडेट दिया गया है। सायरा बानू ने कहा कि उनकी मौत की खबरें अफवाह हैं और उनकी हालात अब स्थिर है। उन्होंने बयान में लिखा कि, व्हाट्सएप पर आए मैसेज पर विश्वास न करें। साब की तबीयत ठीक है। आपकी दिल छू लेने वाली दुआओं और प्रार्थनाओं के लिए आभार। डॉक्टर्स के मुताबिक, दिलीप कुमार का इलाज सामान्य वॉर्ड में चल रहा है। उनकी तबीयत पहले से बेहतर और स्थिर है और हो सकता है कि २–३ दिनों में उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाए। आपको बता दें कि पिछले साल दिलीप कुमार के दो छोटे भाईयों असलम खान (८८) और एहसान खान (९०) का कोरोना संक्रमण के चलते निधन हो गया था। जिसके बाद उन्होंने अपना जन्मदिन और शादी की सालगिरह भी नहीं मनाई थी। दिलीप साहब को आखिरी बार बड़े पर्दे पर १९६८ में 'किला' में देखा गया था। दिलीप कुमार ने १९४४ में ज्वार भाटा फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी और वह पांच दशकों के अपने लंबे फिल्मी करियर में कई सुपरहिट फिल्मे दे चुके हैं।

देर रात किसान के घर बदमाशों का धावा

लखनऊ। बंथरा क्षेत्र के बनी गांव में किसान भौंदे प्रसाद के घर रविवार देर रात दो बदमाशों ने धावा बोल दिया। खटपट सुनकर भौंदे और उनकी पत्नी उठी तो बदमाशों से भिड़ंत हो गई। भिड़ंत के दौरान किसान के सिर पर एक बदमाश ने कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जिससे उसका सिर फट गया। वारदात को अंजाम देकर बदमाश भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया।जानकारी के मुताबिक किसान भौंदे प्रसाद और उनकी पत्नी रामकली रविवार रात सो रहे थे। इस बीच देर रात छत के रास्ते दो बदमाश घर में घुसे। उन्होंने तकिया के पास से चाबी उठाई और अलमारी व बक्से खोल डाले। खटपट सुनकर दोनों की नींद खुली। भौंदे चुपचाप जीने के रास्ते से छत पर जाने लगा। इस बीच कमरे में अलमारी से माल निकाल रहे बदमाशों को किसान के जगने की आहट हुई। वह बाहर निकले और जीने की ओर बढ़े। यहां उनकी भौंदे से भिड़ंत हो गई। इस बीच रामकली भी डंडा लेकर बचाव में दौड़ी। बदमाशों ने खुद को फंसता देखा तो एक ने रामकली के बाल पकड़कर खींचे और उसे गिरा दिया। जबकि दूसरे ने पास में रखी कुल्हाड़ी उठाई और भौंदे के सिर पर वार कर दिया।भौंदे निढाल होकर मौके पर ही गिर पड़े। वहीं, मौका पाते ही बदमाश भाग निकलें। घायल किसान को पड़ोसियों की मदद से सरोजनीनगर स्थित अस्पताल ले जाया गया। होश में आने पर भौंदे ने बताया कि उसने एक बदमाश को पहचान लिया। भौंदे ने बदमाश की पहचान गांव में रहने वाले नंदलाल के रूप में की। उन्होंने बताया कि बदमाश छह हजार रुपये अलमारी से निकाल ले गए हैं। इंस्पेक्टर बंथरा जितेंद्र सिंह ने बताया कि किसान की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर नंदलाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके साथी की तलाश की तलाश में दबिश दी जा रही है।

सोनाक्षी सिन्हा औररितेश देशमुख पहली बार दिखेंगे साथ

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और एक्टर रितेश देशमुख बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाले हैं। रोनी स्क्रूवाला इस जोड़ी को पहली बार दर्शकों के सामने पेष करने जा रही हैं। खबरों की माने तो सोनाक्षी इस फिल्म को साइन कर चुकी हैं और रितेश भी इस फिल्म के लिए हां कर चुके हैं। रोनी स्क्रूवाला ने फिल्म इंडस्ट्री को कई बड़ी फिल्में दी हैं।

इनमें केदारनाथ, उरी जैसी फिल्में शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, यह फिल्म दिनेश विजान की 'स्त्री' और 'रूही' की थीम पर होगी, लेकिन इस फिल्म में बहुत कुछ नया देखने को मिलेगा। मीडिया रिपोट्स के अनुसार, इस हॉरर कॉमेडी फिल्म की शूटिंग इसी साल सितंबर में राजस्थान में शुरू होगी। दोनों के लिए इस फिल्म के रोल्स एकदम नया एक्सपीरियंस होगा। दोनों पहली बार इस तरह का रोल करेंगे। सोनाक्षी सिन्हा काफी समय से फिल्मों में दिखाई नहीं दी है। अभी कोरोना काल में सोनाक्षी श्री नारायण सिंह की नेटफ्लिक्स ऑरिजिनल प्रोजेक्ट में बिजी हैं। वहीं रितेश देशमुख शशांक घोष की फिल्म को पूरा करने में व्यस्त हैं।

सारा अली खान मेरे साथ ही लिया करती थी ड्रग्स : रिया चक्रवर्ती

नई दिल्ली। सारा अली खान ने मुझे मारिजुआना और वोडका की पेशकश की थी। वह तो इसे हैंगओवर दूर करने के उपाय के रूप में पेश करती थी। यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है एनसीबी की चार्जशीट में। सुशांत सिंह राजपूत मामले में बालीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारियों के आगे किए खुलासे में अमृतासिंह और सैफ अली खान की बेटी एक्ट्रेस सारा अली खान पर गंभीर आरोप जड़े हैं। इससे पूर्व रिया सुशांत की बहन और बहनोई पर भी ड्रग्स लेने का आरोप लगा चुकी है। चार्जशीट में सारा अली खान का नाम आया है। अब बिल्कुल साफ है कि रिया चक्रवर्ती ने एनसीबी को दिए अपने कबूलनामे में हाथ से लिखा है कि उसे सारा अली खान ने मारिजुआना और वोडका पीने की पेशकश की थी। एनसीबी की ओर से पेश की गई चार्जशीट में रिया ने अपने और सारा के बीच ४ जून से ६ जून २०१७ तक हुई बातचीत के बारे में कहा है। रिया का कहना है कि

सारा अली खान मारिजुआना रोल्स बनाती थीं और फिर उन्हें रिया चक्रवर्ती के साथ शेयर करती थीं। रिया ने साफ कहा कि उनकी सारा के साथ ड्रग्स से संबंधित बातें हुई थी। वह तो हैंगओवर के उपाय के तौर पर बता रही थीं. वह आइसक्रीम और मारिजुआना ड्रग्स के बारे में बात कर रही थीं। उसके बारे में कहा कि इसका उपयोग वह दर्द से राहत पाने के लिए करती हैं। चार्जशीट में साफ लिखा है कि सारा रिया के साथ मार्जुआना ज्वइंट का इस्तेमाल किया करती थीं। यही नहीं आगे कहा कि मौकों पर हमने साथ में ऐसा ही किया है। सारा मुझे मार्जुआना ज्वाइंट्स दिलाया करती थीं। चार्जशीट में आगे लिखा हुआ था, '६ जून, २०१७ की चौट में आपने मुझे रिकर्ड दिखाया है और इस चौट में वोडका और ड्रग्स के बारे में बातचीत है. सारा अली खान मेरे घर वोडका और मारिजुआना (जिसे ड्रग्स कहा जाता है) लाने की पेशकश कर रही थीं। उस दिन मुझे उनसे ऐसा कोई वोडका या ड्रग्स नहीं मिला। एनसीबी ने २०२० में सुशांत राजपूत ड्रग्स मामले में सारा अली खान को समन भेजकर तलब किया था। सारा अली खान ने सुशांत सिंह के साथ कुछ समय के लिए डेटिंग करने की बात कबूली और थाईलैंड की यात्रा पर जाने की बात भी कही।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178

Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक